वसन्त कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी

EDUCATION
AS SERVICE

व्याख्यानमाला–1

विषय

रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति

वक्ता

डॉ0 कमलेश वर्मा

एसोसिएट प्रोफसर, हिन्दी विभाग
पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय
बालिका महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी

15 जून 2020 सोमवार, दोपहर 12:00 बजे

Link -: https://meet.google.com/chg-hhjz-ise

आयोजक
हिन्दी विभाग
वसन्त कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी – 221010

हिन्दी दिवस
VASANT KANYA MAHAVIDYALAYA
Kamachha, Varanasi
Vision of the College
Mission of the College

वसन्त कन्या महाविद्यालय
कमच्छा, वाराणसी

EDUCATION
AS SERVICE

विषय
दिनकर की कविता (विशेष संदर्भ–उर्वशी)

वक्ता

डॉ0 पुनीत कुमार राय
सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)
अरूण प्रताम सिंहदेव शासकीय
महाविद्यालय, शंकरगढ़ (छत्तीसगढ़)

01 फरवरी 2021 सोमवार, दोपहर 12:00 बजे

Link -: https://meet.google.com/xkk-zywe-exi

आयोजक – हिन्दी विभाग
वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी – 221010

(48)

Shashi Kala (You)

K

KAJAL YADAV

Dina Nath

Kamlesh Verma JNU

Others in the meeting (44)

विगत वर्ष में आयोजित व्याख्यानों का क्रमानुसार विवरण

वर्ष 2019-20 में आयोजित व्याख्यान माला-

1) वसंत कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में दिनांक 15-06-2020 को अपराह्न 1.00 बजे "रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति" शीर्षक पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ कमलेश वर्मा, असोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी) रहें। सर्वप्रथम असोसिएट प्रोफेसर डा॰ आशा यादव ने विषय का सारगर्भित प्रस्तवन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ शशिकला ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं की शंकाओ के समाधान हेतु प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया। जिसमें स्नातक तृतीय वर्ष, स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के छात्राओं ने उत्साह पूर्वक बढ़ -चढ़ कर भाग लिया। आयोजन में लगभग 120 छात्राओं एवं 21 शिक्षक- शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। अंत में मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम के समस्त सहयोगियों के प्रति डॉ सपना भूषण ने हृदय से आभार प्रकट किया।

2) दिनांक 16-06-2020 को अपराह्न 1.00 बजे व्याख्यान माला के दूसरे दिन "हिन्दी साहित्य के रीतिकाल पर पुनर्विचार "शीर्षक पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया । जिसके मुख्य वक्ता डॉ प्रभात कुमार मिश्रा (असोसिएट प्रोफ़ेसर, हिन्दी विभाग ,आसाम ,विश्वविद्यालय) रहें। कार्यक्रम के प्रारंभ में असोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ आशा यादव ने विषय का अत्यंत ज्ञानवर्धक प्रस्तवन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात हिन्दी विभागाध्यक्षा डॉ तृप्ति रानी जयसवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उन्हें व्याख्यान हेतु ऑनलाइन मंच पर आमंत्रित किया। जिसमें रीतिकाल के भिन्न -भिन्न संदर्भो की चर्चा करते हुए उसकी वर्तमान प्रासंगिकता पर विचार किया गया। कार्यक्रम की सफलता के लिए अंतिम सत्र में प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजन किया गया। जिसमें अनेक छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में स्नातक तृतीय वर्ष, स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के लगभग 121 छात्राओं एवं 23 शिक्षक -शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। जिसमें कुछ अन्य महाविद्यालय के शिक्षकों ने भी सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया। कार्यक्रम का सुचारू रूप से सुगठित संचालन डॉ सपना भूषण ने एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ शशिकला ने किया।

वर्ष 2020-21 में आयोजित व्याख्यान माला-

1) वसंत कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में दिनांक-25-01-2021 को अपराह्न 12.00 बजे "महादेवी वर्मा का काव्य: आलोचनात्मक दृष्टि "विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ मयंक भार्गव, असिस्टेंट प्रोफसर(एम॰ एल॰ टी॰का॰लेज ,सहरसा ,बिहार)रहें। मुख्य अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्षा डॉ तृप्ति रानी जयसवाल ने तथा विषय का सारगर्भित प्रस्तवन डॉ आशा यादव ने प्रस्तुत किया। स्नातक तृतीय वर्ष, स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष के लगभग 115 छात्राओं ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं के आशंकाओं के समाधान हेतु प्रश्नोत्तरी सत्र भी रखा गया। कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ शशिकला ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के लगभग 19 शिक्षक- शिक्षिकाओं ने अपनी उपस्थिति के माध्यम से सहभागिता की।

2) दिनांक 1-02-2021 को अपराह्न 12.00 बजे से वसंत कन्या महाविद्यालय के हिन्दी विभाग में "दिनकर की कविता 'उर्वशी' " शीर्षक पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ पुनीत कुमार राय, सहायक प्राध्यापक, अरुण प्रताप सिंहदेव शासकीय महाविद्यालय शंकरगढ़, छत्तीसगढ़ रहें ।विषय का सारगर्भित व सहज प्रस्तवन डॉ आशा यादव ने एवं मुख्य अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्षा डॉ तृप्ति रानी जयसवाल ने किया। दिनकर की कविता के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर वक्ता ने क्रमवार अत्यंत सहजता के साथ प्रकाश डाला। जिससे स्नातक तृतीय वर्ष,स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की लगभग 121 छात्राएँ लाभान्वित हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य शिक्षक -शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ शशिकला ने किया।